

NCR में गंभीर प्रदूषण संकट

चर्चा में क्यों?

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) में वायु गुणवत्ता का स्तर खतरनाक बना हुआ है, जो खेतों में आग लगाने तथा अन्य कारकों के कारण और भी खराब हो गया है।

प्रमुख बादु

■ वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI):

- पानीपत में वायु गुणवत्ता सूचकांक **450** तक पहुँच गया, जो "गंभीर" प्रदूषण का संकेत है; अन्य NCR क्षेत्रों में भी स्तर बढ़ने की सूचना है।
 - AQI** लोगों को वायु गुणवत्ता की स्थिति के बारे में प्रभावी ढंग से जानकारी देने का एक साधन है, जिसे समझना आसान है।
 - AQI को आठ प्रदूषकों अर्थात **PM2.5, PM10, अमोनिया, लेड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड, ओजोन और कार्बन मोनोऑक्साइड** के लिये वकिसति किया गया है।
- #### ■ प्राथमिक कारण :
- हरयाणा और पंजाब जैसे पड़ोसी राज्यों में **प्राली जलाने** के साथ-साथ वाहनों से नक्लने वाले ध्रुएँ और औद्योगिक प्रदूषण में भी अत्यधिक योगदान होता है।
 - प्रदूषण का उच्च स्तर, वशीष रूप से कमज़ोर समूहों के स्वास्थ्य के लिये गंभीर खतरा उत्पन्न करता है, जिसके कारण आपातकालीन उपायों की आवश्यकता पड़ती है।

| वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) | श्रेणी |
|-----------------------------|-------------------------|
| 0-50 | अच्छा (Good) |
| 51-100 | संतोषजनक (Satisfactory) |
| 101-200 | मध्यम (Moderate) |
| 201- 300 | खराब (Poor) |
| 301-400 | बहुत खराब (Very Poor) |
| 401-500 | गंभीर (Severe) |

The NCR, as of now



